केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरः

देवप्रयागः, जिला-पौढीगढवालः,

उत्तराखण्ड-249301

Email- Srkcampus@gmail.com

www.srkcampus.org

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) की बैठक का कार्यवृत्त

(Minutes of the IQAC Meeting held on 22-01-2021)

आज दिनाङ्क 22.01.2021 को सायं 3.30 बजे शैक्षणिक गतिविधियों को गति देने हेतु परिसरीय शैक्षिक सदस्यों के साथ IQAC की एक बैठक मान्य निदेशक महोदय, प्रो. वनमाली बिश्वाल की अध्यक्षता में आयोजित की गयी, जिसमें सर्वसम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिए गए-

1. राष्ट्रिय/अन्तर्राष्ट्रिय संगोष्ठियों के आयोजन पर विचार- फरवरी मास में निम्नलिखित राष्ट्रिय/अन्तर्राष्ट्रिय संगोष्ठियों का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया जायेगा। जिसका विवरण निम्न प्रकार है-

क्र. सं.	विभाग का नाम	दिनाङ्क	संयोजक	विषय
01	आधुनिक (हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास)	06 फरवरी 2021	डॉ. अरविन्द गौड़	साहित्य एवं इतिहास में राष्ट्रवाद
02	दर्शन (न्याय, अद्वैतवेदान्त)	07 फरवरी 2021	डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही	दर्शनशास्त्रेषु अभिनव प्रवृत्तयः
03	ज्योतिष	13 फरवरी 2021	डॉ. सुरेश शर्मा	ज्योतिषशास्त्रदृष्ट्या संक्रामकरोगविचारः
04	व्याकरण	14 फरवरी 2021	डॉ. श्री ओम शर्मा	पाणिनीयव्याकरणपरम्परा
05	वेद	20 फरवरी 2021	डॉ. शैलेन्द्र उन्नियाल	वैदिकवाङ्मये वैश्विकाचारसंहिता
06	साहित्य	21 फरवरी 2021	प्रो. विजयपालशास्त्री	संस्कृतसाहित्ये शब्दशक्तिसमीक्षा

2. 2020.21 वर्षीय वार्षिकपत्रिका सम्पादित करने पर विचार- विगत वर्षो की ही भाँति इस वर्ष भी ISBN/ISSN के साथ वार्षिक पत्रिका का 2019-20 एवं 2020-21 का एक संयुक्त संस्करण परिसरीय पत्रिका सम्पादन समिति के द्वारा ई-पुस्तक के रूप में प्रकाशित कर परिसर की वेबसाइट www.srkcampus.org पर अपलोड किया जायेगा। मुख्यालय द्वारा प्रकाशन हेतु धन उपलब्ध करवाये जाने पर मुद्रित संस्करण भी प्रकाशित किया जायेगा।

www.srkcampus.org पर अपलोड किया जायेगा। मुख्यालय द्वारा प्रकाशन हेतु धन उपलब्ध करवाये जाने पर मुद्रित संस्करण भी प्रकाशित किया जायेगा।

3. <u>परिसर की त्रैमासिक पत्रिका</u> 'रघुनाथ वार्तावली' <u>के विगत 2020.21 के संस्करण प्रकाशित करने पर विचार</u>- 'रघुनाथ वार्तावली' के विगत 2020.21 के संस्करण/ संयुक्तांक परिसर की पत्रिका सम्पादन समिति के द्वारा सम्पादित कर ई-संस्करण के रूप में प्रकाशित किया जाना है। उक्त संस्करणों को परिसर की वेबसाइट www.srkcampus.org पर अपलोड भी किया जाना है। मुख्यालय द्वारा प्रकाशन हेतु धन उपलब्ध करवाये जाने पर मुद्रित संस्करण भी प्रकाशित किया जा सकेगा।

<u>4. विभिन्न शैक्षणिक परियोजनाओं (Projects) पर विचार-</u> परिसर के आन्तरिक संसाधनों के द्वारा विभिन्न पुस्तकों के प्रकाशन एवं परियोजनाओं के सम्पादन का निर्णय लिया गया है। परियोजनाओं के प्रस्ताव मान्य निदेशक महोदय को समर्पित किये जा सकते हैं। जिन्हें भारत सरकार की विभिन्न अनुदान प्रदाता संस्थाओं यथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (U.G.C.) आदि की स्वीकृति के लिए भेजा जायेगा।

<u>5. छात्रों को परिसर में बुलाने एवं उनकी आवास व्यवस्था पर विचार-</u> राज्य सरकार के कोरोना महामारी रोकथाम सम्बन्धी दिशानिर्देशों के अनुरूप फीडबैक एवं अभिभावकों से अनुमति प्राप्त छात्रों को सरकारी निर्देश के अनुसार से परिसर में वुलाया जा सकेगा। तब तात्कालिक रूप से परिसर द्वारा छात्रों को छात्रावास में आवास की व्यवस्था की जायेगी। आगन्तुक छात्र अपने भोजन की व्यवस्था स्वयं करेगें। यदि आवश्यक हुआ तो परिसर के द्वारा छात्रों की भोजन व्यवस्था हेतु छात्रों की एक मेस कमिटि का गठन कर आवश्यक एवं यथोचित भौतिक संसाधन उपलब्ध कराये जायेंगें जिसका संचालन एवं व्यय आदि व्यवस्था छात्र स्वयं करेंगें।

<u>6. ई सूचना वाट्स ऐप ग्रुप गठित करने पर विचार-</u> सम्यक् विचारोपरान्त निर्णय लिया गया कि छात्रों, अध्यापकों एवं कर्मचारियों का एक सामूहिक वाट्स ऐप ग्रुप (SRK CAMPUS e- Notice Board) बनाया जायेगा जिसमें केवल अत्यावश्यक एवं प्रामाणिक सामग्री यथा छात्रों के सामूहिक मामलों से जुडी सूचना आदि का संप्रेषण करने हेतु डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही को अधिकृत किया जाता है। तदुपरान्त कक्षा संचालन के अतिरिक्त बनाये गये अन्य वाट्स ऐपग्रुप को भंग कर दिया जायेगा।

7. **प्राचीर साहित्य एवं सुभाषित योजना पर विचार-** परिसर में छात्र-प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए प्राचीर साहित्य योजना प्रस्तावित है। एतदर्थ एक सम्पादक मण्डली परिसर के निदेशक के परामर्श के अनुसार गठित की जायेगी जो इस योजना को मूर्त रूप प्रदान करेगी। परिसर में छात्रों के आगमनोपरान्त छात्रों के लिए संस्कृत सम्भाषण शिविर एवं वाक्-वर्धिनी सभा के आयोजन करने का निर्णय लिया गया। परिसर को शास्त्रीय सुभाषितों से सुसज्जित किया जाना है जिसकी रूपरेखा परिसर विकास समिति (Campus Development Committee) द्वारा तैयार की जायेगी।

8. **परिसर में निःशुल्क वाई-फाई आधारित ब्राडबैण्ड इन्टरनेट सेवा उपलब्ध कराने पर विचार-**शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा ऑनलाइन कक्षाओं एवं इन्टरनेट सम्बन्धी विभिन्न कार्यो हेतु परिसर में निःशुल्क वाई-फाई आधारित ब्राडबैण्ड इन्टरनेट सेवा उपलब्ध कराने के लिए मॉग की गयी थी। एतदर्थ पूर्व में गठित समिति की रिपोर्ट के आधार पर निविदा आमन्त्रण के अनुमोदन हेतु यथोचित प्रक्रिया करने का निर्णय लिया गया।

9.**परिसर द्वारा संचालित की जा रही ऑनलाइन कक्षाओं पर विचार-** ऑनलाइन कक्षाओं की समीक्षा की गयी एवं मार्च 2021 में परीक्षाओं के आयोजन की संभावित तिथि को ध्यान में रखते हुए अवशिष्ट पाठ्यक्रम को अतिरिक्त कक्षाओं का आयोजन कर पूर्ण कराने एवं सत्रीय कार्य देने का निर्णय लिया गया।

सभी को धन्यवादज्ञापनोपरान्त शान्तिपाठ के साथ बैठक सुसम्पन्न हुयी।

विजयपाल शास्त्री

राष्ट्रीयसंस्कृतसंस्थान

श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड)

IQAC के अन्तर्गत शिक्षकों की बैठक का कार्यवृत्त

दिनांक:- 07.11.2020

परिसर प्राचार्यमहोदय प्रो. के. बि. सुब्बरायुडु के दिशानिर्देशानुसार प्रो. बनमाली बिश्वाल की अध्यक्षता में परिसर की (सत्र- 2020-21) की आनलाइन शैक्षणिक गतिविधियों को सुचारुरूप से सम्पादित करने के लिये आज दिनांक 07.11.2020 को समय ४:०० बजे बैठक आहूत की गई । बैठक में निम्नलिखित परिसर के सदस्य उपस्थित थे-

१. प्रो. बनमालीबिश्वाल, विभागाध्यक्ष व्याकरण (समन्वयक, अकादमिक)

२. डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही, विभागाध्यक्ष, न्याय

३. डॉ. कृपाशंकरशर्मा, विभागाध्यक्ष, साहित्य

४ डॉ. बालमुरुग, सहायकाचार्य, न्यायविभाग

५ डॉ. अरविन्दगौर, विभागाध्यक्ष, आधुनिकविषय

६ डॉ. शैलेन्द्रप्रसाद उनियाल, विभागाध्यक्ष वेद

७ . डॉ. दिनेशपाण्डेय, साहित्यविभाग

८. डा. वीरेन्द्रबर्त्वाल, आधुनिकविभाग (हिन्दी)

परिसर सदस्यों से परामर्श के बाद समन्वयक (अकादमिक) की सहमति से एवं प्राचार्य प्रो. सुब्बरायुडु के अनुमोदन के पश्चात् निम्नलिखित कार्यक्रमों को आयोजित करने का निर्णय लिया गया है-

1. सँविधानदिवस- 2020
2. शोधसंगोष्ठी विभागानुसार
3. संस्कृतचलचित्रनिर्माण एवं शोधप्रकाशन आदि ।

उक्त सभी बिन्दुओं को सुचारुरूप से क्रियान्वयन करने लिये प्रो.वनमालीबिश्वाल को संयोजक एवं मार्गदर्शक नामित किया जाता है। परिसर के सभी शिक्षक उनसे समय समय पर मार्गदर्शन लेकर कार्यक्रमों को क्रियान्वित करेगें ।

(प्रो. बनमालीबिश्वाल)

समन्वयक (अकादमिक)